हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार

मेट्रो सिटी

नागपुर, सोमवार, 30 जून 2025

संगीन अपराधों में लिप्त कालू पर चला एमपीडीए

नागपुर. शहर में बढ़ते अपराधों पर शिकंजा कसते हुए पुलिस आयुक्त डॉ. रविंद्र सिंगल ने एक और सख्त कदम उठाया है। म्हाडा कॉलोनी, नारी रोड निवासी एलेक्स उर्फ कालू सचिन भोयर (18) को एमपीडीए के तहत गिरफ्तार कर नागपुर सेंट्रल जेल भेजा गया है। जल्द ही उसे पुणे के येरवड़ा जेल में शिफ्ट किया जाएगा। कालू पर गंभीर आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने के आरोप हैं। उस पर जानलेवा हमला, चोरी, डकैती की तैयारी, जबरन संपत्ति पर कब्जा, महिलाओं से छेड़छाड़, पीछा करना, धमकाना, गालीगलौच, घातक हथियारों के साथ गैंग बनाना और कानून उल्लंघन जैसे कुल दर्जनों केस जरीपटका, कपिलनगर और पाचपावली थानों में दर्ज हैं। पुलिस ने पहले उसे तीन वर्षों तक अपराधों से दूर रहने के लिए करारनामा भरवाया था, लेकिन इसके बावजूद कालू आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहा। आखिरकार कानून को सख्ती दिखानी पड़ी और पुलिस आयुक्त के निर्देश पर उसे एमपीडीए के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

हिंगना में एनएमआरडीए का नया कमर्शियल हब 'न्यू नागपुर'

नागपुर.

नागपुर मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एनएमआरडीए) ने हिंगना में 1,780 एकड़ के सेंट्रल कमर्शियल डिस्ट्रिक्ट (सीसीडी) की शुरुआत की है। इस परियोजना को अधिकारियों और योजनाकारों ने 'न्यू नागपुर' का नाम दिया है।

बेहतर लोकेशन और शानदार कनेक्टिविटी : सीसीडी के लिए इससे बेहतर लोकेशन नहीं हो सकती, क्योंकि यह मिहान, हिंगणा एमआईडीसी बेल्ट के करीब है। यहां से समृद्धि महामार्ग तक सीधी पहुंच है। इस परियोजना के पास एक समर्पित हवाई अड्डे की संभावना को लेकर चर्चा शुरू हो चुकी है। इस परियोजना का कानूनी आधार 23 जून को महाराष्ट्र क्षेत्रीय और नगर नियोजन अधिनियम, 1966 के तहत धारा 37 की अधिसूचना के माध्यम से रखा गया। प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 13,000 करोड़ रुपए की है। इसे एनएमआरडीए बोर्ड की मंजूरी मिल चुकी है। कैबिनेट की सहमति मिलने के बाद 'न्यू नागपुर' का निर्माण पूरे जोर-शोर से शुरू हो जाएगा।

शहर से लगभग 65 किमी दूर

मौजा-गोठनगांव और मौजा-लडगांव के बीच फैला यह सीसीडी शहर से लगभग 65 किमी दूर है। यहां पर मॉल, आईटी पार्क, हाई-राइज कार्यालय, उद्योग और आवास को एक अगली पीढ़ी के पूरी तरह से एकीकृत टाउनशिप में जोड़ेगा। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में बेहतरीन सड़कें, भूमिगत उपयोगिताएं और हरित गलियारे होंगे। एनएमआरडीए के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, "यह सिर्फ एक लेआउट नहीं है, बल्कि मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स की तरह यह नागपुर का बीकेसी मोमेंट है। हम एक सेल्फ सस्टेनिंग डिस्ट्रिक्ट बना रहे हैं, जिसमें बेजोड़ गति, पैमाना और पारदर्शिता होगी।" यहां पर एक नया सिंगल-विंडो सिस्टम तैयार किया जाएगा, जो उद्योगों और व्यवसायों के लिए समयबद्ध मंजूरी प्रदान करेगा। इससे लालफीताशाही और मंजूरी मिलने में होनेवाली देरी को समाप्त होगी।

राज्य स्तरीय सामाजिक न्याय सम्मेलन में शामिल हुए मंत्री बावनकुले और शिरसाट

नागपुर.

विवेक विचार मंच, राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय और पार्टी के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र, कामठी रोड पर आयोजित राज्य स्तरीय सामाजिक न्याय सम्मेलन में राजस्व मंत्री व नागपुर जिल्हा पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले और सामाजिक न्याय एवं विशेष सहायता मंत्री संजय शिरसाट ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि "विकसित भारत के निर्माण के लिए राज्य में आयोजित ऐसे सम्मेलनों से उभरने वाले विचारों और तथ्यों को सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में प्राथमिकता दी जाएगी। सामाजिक न्याय परिषद को महाराष्ट्र के विकास में एक सशक्त भूमिका निभानी चाहिए।" उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिनिधियों के विचार वंचित समुदायों के उत्थान के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे और यह सम्मेलन सरकार के नीति-निर्धारण में अहम भूमिका निभा सकता है। मंत्री संजय शिरसाट ने अपने वक्तव्य में कहा कि समाज के वंचित वर्ग के लिए कार्य करने वालों का उत्साहवर्धन जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि "जो लोग कठिन परिस्थितियों में समाज सेवा कर रहे हैं, उन्हें आगे बढ़ाने के लिए सरकार का समर्थन और मान्यता मिलनी चाहिए।" शिरसाट ने यह भी उल्लेख किया कि सामाजिक न्याय विभाग की विभिन्न योजनाओं को अब आम लोगों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुँचाया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान की प्रस्तावना पाठ के साथ हुई। महेश पोहनेरकर ने प्रस्तावना दी, नीलेश धयारकर ने कार्यक्रम का संचालन किया और सागर शिंदे ने आभार प्रदर्शन किया।

विभिन्न पुरस्कारों का वितरण : विभिन्न पुरस्कारों का वितरण सम्मेलन के दौरान विवेक विचार मंच द्वारा प्रदत्त 'छत्रपति राजर्षि शाहू महाराज सामाजिक न्याय पुरस्कार 2025' का वितरण भी किया गया। डॉ. रेखा बहुनवाल (एडवोकेट) को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अलावा पश्चिम महाराष्ट्र से संदीप जाधव, राजेंद्र गायकवाड़, चंद्रकांत कालोखे, आनंद लोखंडे, विकास अवसरमल, नागेश पाटिल, प्रताप निंदाने, रेखा कांबले और खुशाल ढाक को भी सम्मानित किया गया।

2 नाबालिग चोर गिरफ्तार

दो चोरियों का खुलासा, 1.46 लाख का माल बरामद

नागपुर. क्राइम ब्रांच यूनिट 5 की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई ने दो नाबालिग चोरों को गिरफ्त में लेते हुए शहर में हुई दो चोरियों का खुलासा कर दिया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से कुल 1.46 लाख रुपये का चोरी का माल जब्त किया गया है, जिसमें नगदी, गहने और दोपहिया वाहन शामिल हैं। मामला नागेश्वर नगर का है, जहां लगभग पांच दिन पहले छाया श्रावण चाचेरकर (48) के बंद घर से 50,000 रुपये नगद और चांदी के गहनों समेत कुल 53,000 रुपये का सामान चोरी हो गया था। इस वारदात की जांच में लगी क्राइम ब्रांच यूनिट 5 को गुप्त सूचना मिली कि नागेश्वर नगर मैदान के पास दो नाबालिग संदिग्ध अवस्था में घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। सख्ती से पूछने पर दोनों ने न सिर्फ नागेश्वर नगर की चोरी की बात कबूल की, बल्कि आरती राजेश बोकड़े (28) के घर में की गई एक और चोरी की भी कबूली दी। पुलिस ने दोनों की निशानदेही पर 16,000 रुपये नगद, सोने-चांदी के गहने और एक दोपहिया वाहन बरामद किया, जिसकी कुल कीमत 1,46,500 रुपये आंकी गई है।

शहर को बारिश ने दी राहत

नागपुर.

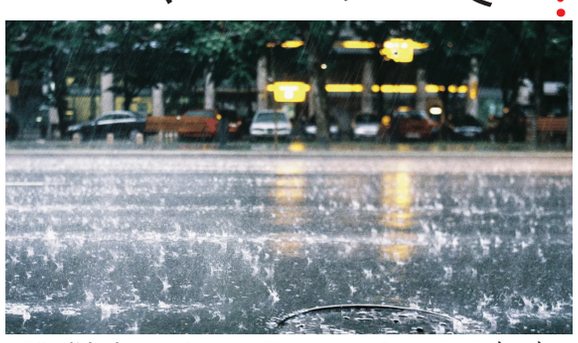

शहरवासियों को दो दिनों की उमस भरी गर्मी के बाद रविवार की रात मौसम ने बड़ी राहत दी। देर रात बादलों ने दस्तक दी और हल्की से मध्यम बारिश ने लोगों को ठंडी फुहारों से सराबोर कर दिया। मौसम विभाग के मुताबिक, नागपुर में बीते 24 घंटे में कुल 14.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है।

नागपुर शहर में पीछे दो दिनों से बारिश रुकी हुई थी। दो दिन के इंतजार के बाद शनिवार रात से शहर के कई इलाकों में हल्की हल्की बारिश शुरू हुई। वहीं रविवार तड़के शहर के कई हिस्सों में जोरदार बारिश शुरू हुई जो सुबह तक जारी रही।

बारिश से उमस और गर्मी से परेशान शहर वासियों को राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे तक नागपुर शहर में 14.2 एमएम बारिश दर्ज हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो, बंगाल की खाड़ी में बने दबाव क्षेत्र के कारण अगले 2-3 दिनों तक नागपुर और विदर्भ के अन्य हिस्सों में रुक-रुक कर बारिश हो सकती है। इस दौरान कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें भी पड़ सकती हैं। मानसून के आगमन के बावजूद विदर्भ के अधिकांश हिस्सों में अब तक बुवाई के लिए पर्याप्त और नियमित बारिश नहीं हो सकी है। इससे किसानों की चिंताएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। कई किसानों ने जून के अंतिम सप्ताह में हुई शुरुआती बारिश को देखकर खेतों में बुवाई शुरू कर दी थी, लेकिन इसके बाद मौसम ने करवट ली और बारिश रुक गई। जिन किसानों ने शुरुआत की बारिश को देखते हुए खेत में बुवाई कर दी थी, उनपर दोबारा बुवाई करने की नौबत आ गई है, इससे किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

दो दिन की उमस के बाद मौसम ने ली करवट

एआईएमआईएम नागपुर जिला अध्यक्ष सोहेल अहमद का शिवसेना में प्रवेश

नागपुर.

नागपुर में शिवसेना (शिंदे गुट) को एक बड़ी राजनीतिक मजबूती तब मिली, जब विभिन्न पार्टियों के कई प्रमुख पदाधिकारी पार्टी में शामिल हो गए। यह संगठनात्मक विस्तार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना पक्ष प्रमुख एकनाथ शिंदे के नेतृत्व और विधायक कुपाल तुमाने के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर सहसंपर्क प्रमुख किरण पांडव और अमित कतुरे, एआईएमआईएम नागपुर जिला अध्यक्ष सोहेल अहमद, उप जिला प्रमुख इमरान खान, दक्षिण सचिव शब्बीर खान, मोहम्मद हनीफ, मोहसिन खान, दक्षिण पश्चिम अध्यक्ष वकार फारूकी, अलीमुद्दीन अंसारी, सलमान अंसारी जैसे कई नेताओं ने शिवसेना (शिंदे गुट) की सदस्यता ग्रहण की। इन सभी नेताओं का पार्टी में स्वागत करते हुए शिवसेना नेतृत्व ने कहा कि पूर्व विदर्भ क्षेत्र में पार्टी का तेजी से विस्तार हो रहा है और आने वाले समय में यह क्षेत्र शिवसेना के लिए सबसे बड़ा संगठनात्मक केंद्र बनेगा। पार्टी के नेताओं ने यह भी संकेत दिया कि क्षेत्रीय समस्याओं को प्राथमिकता पर रखकर समाधान की दिशा में ठोस कार्य किया जाएगा और आम जनता का भरोसा जीतने के लिए सक्रिय रूप से काम किया जाएगा।

ऑटो में कुक को लूटने वाले तीन गिरफ्तार

> हथियार दिखाकर छीना मोबाइल और नकदी

नागपुर. गणेशपेठ थानाक्षेत्र में एक होटल के कुक से ऑटोरिक्शा में लूटपाट करने वाले चालक सहित तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान रेहान खान आसिफ खान (19), असलम खान समशेर खान (19) और जुनैद सलाउद्दीन तवर (30) के रूप में हुई है। तीनों आरोपी आजाद कॉलोनी, बड़ा ताजबाग के रहने वाले हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित महेश प्रभुलाल कटरे (28), जो कि मूल रूप से खैरलांजी, बालाघाट का निवासी है, सीताबर्डी के एक होटल में कुक का काम करता है और वर्तमान में गणेशपेठ में रह रहा है। घटना वाली रात करीब 11:30 बजे जब वह काम निपटाकर घर लौट रहा था, तभी एनएमसी पुल के पास एक ऑटो (एम एच 31/ एफबी -1684) आकर रुका। ऑटो चालक रेहान ने महेश को गणेशपेठ छोड़ने की बात कही। ऑटो में पहले से ही दो युवक असलम और जुनैद सवार थे। जैसे ही महेश ऑटो में बैठा, पीछे बैठे एक युवक ने चाकू निकालकर उसे डराया और पेट पर चाकू लगाकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद तीनों ने मिलकर उसका मोबाइल फोन और 1,000 नकद छीन लिए और मौके से फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर गणेशपेठ पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के आधार पर तीनों आरोपियों की पहचान की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही, वारदात में उपयोग किया गया ऑटोरिक्शा भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है, और यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आरोपियों पर पहले से कोई आपराधिक मामले दर्ज हैं या नहीं।

गिरवी रखे प्लाट की बिक्री कर 16.31 लाख की धोखाधड़ी

नागपुर. सक्करदरा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने पहले से बैंक में गिरवी रखे प्लाट की बिक्री कर 16.31 लाख रुपये की ठगी कर ली। इस मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान चिटनीस नगर, नंदनवन निवासी धनराज नत्थुजी सहारे के रूप में हुई है, जो राहुल हाउसिंग एजेंसी का प्रोपराइटर बताया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नंदनवन झोपड़पट्टी निवासी महेन्द्र विश्वनाथ शेंडे (37) ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उन्होंने धनराज से मौजा बहादुरा स्थित खसरा क्रमांक 75/02 का प्लाट नंबर 69 खरीदा था। इस प्लाट के लिए उन्होंने कुल 16,31,200 रुपये का भुगतान किया। भुगतान के बाद धनराज ने उन्हें उक्त प्लाट की पावर ऑफ अटॉर्नी भी सौंप दी। कुछ समय बाद महेन्द्र को जानकारी मिली कि जिस प्लाट को उन्होंने खरीदा, वह पहले से ही पुसद को-ऑपरेटिव सोसायटी के पास गिरवी रखा गया है। जांच करने पर यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी ने जानबूझकर फर्जी तरीके से प्लाट बिक्री का करारनामा बनाकर उनके साथ धोखाधड़ी की है। सक्करदरा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

घातक शस्त्र लेकर मचा रहा था हंगामा

कामठी पुलिस ने रंगेहाथ दबोचा

नागपुर. कामठी थानाक्षेत्र के वारिसपुरा इलाके में देर रात हथियार लेकर हंगामा कर रहे एक युवक को पुलिस ने मौके से रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान विशाल उर्फ नाडी राजाराम कुशवाह (उम्र 19), निवासी नया गोदाम, कामठी के रूप में हुई है। पुलिस को शनिवार देर रात करीब 12.30 बजे सूचना मिली कि वारिसपुरा के बड़े नाले के पास एक युवक घातक शस्त्र लेकर लोगों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहा है।

सूचना मिलते ही गश्ती दल तुरंत मौके पर पहुंचा। पुलिस को देखते ही आरोपी भागने लगा, लेकिन मुस्तैदी से पीछा कर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास लोहे की खुखरी बरामद हुई, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। पुलिस ने विशाल के खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

जाति से नहीं गुणों से महान होता है समाज

सामाजिक न्याय सम्मेलन में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का संवाद

नागपुर.

कोई भी व्यक्ति जाति या धर्म से महान नहीं होता, बल्कि गुणों से महान होता है। हमें समाज में आर्थिक और सामाजिक असमानताओं को समाप्त करके जाति से नहीं बल्कि गुणों से महान समाज का निर्माण करना है, रविवार 29 जून, को केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने यह बात कही। राजर्षि शाहू महाराज जयंती और सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर विवेक विचार मंच, डॉ. बाबासाहब आंबेडकर शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय और सहयोगी संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से राज्य स्तरीय सामाजिक न्याय सम्मेलन का आयोजन किया गया। उस समय गडकरी बोल रहे थे। इंदौरा के डॉ. बाबासाहब आंबेडकर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में पद्मश्री डॉ. नामदेवराव कांबले, महाराष्ट्र राज्य अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष एडवोकेट शामिल हुए। धर्मपाल मेश्राम, सुनील किटकरू आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। गडकरी ने कहा, 'भारत रत्न डॉ. बाबासाहब आंबेडकर ने अपना जीवन हाशिए पर पड़े समाज के लिए समर्पित कर दिया। बाबासाहब कहते थे कि सामाजिक न्याय के आधार पर इस समाज को खुशहाल बनना चाहिए। उनके संघर्ष के समय पर गौर करें तो उस समय भूख, गरीबी, अत्याचार, अन्याय बहुत था।

ऐसे में उन्होंने दलित, शोषित और पीड़ित समाज के कल्याण के लिए काम किया।' गडकरी ने कहा, 'हम संतों और महापुरुषों की जाति नहीं देखते, बल्कि उनके काम को देखते हैं। कई डॉक्टर और वकील दलित समुदाय से हैं। हम उनके पास जाते हैं तो उनकी जाति नहीं देखते। काम, उपलब्धि और नेतृत्व गुणों से बनते हैं। बाबासाहब की अपेक्षा थी कि सामाजिक न्याय और आर्थिक समानता स्थापित होनी चाहिए। इसके लिए हमें समाज के सबसे निचले तबके के लोगों तक पहुंचकर काम करना होगा। हमें भाषणों से नहीं बल्कि सीधे काम से समाज के लिए काम करना होगा।'

बोगस बीज और लिंकिंग सिस्टम के खिलाफ आज एग्रो डीलर्स का सांकेतिक बंद

कुही.

कुही में बड़ी मात्रा में अवैध और नकली एचटीबीटी बीजों की बिक्री हो रही है। इसके साथ ही बिना लाइसेंस वाले खाद और कीटनाशकों की भी खुलेआम बिक्री की जा रही है। इससे किसानों को न केवल आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि फसल भी बर्बाद हो रही है। इन्हीं समस्याओं के खिलाफ आवाज उठाते हुए कुही तालुका एग्रो डीलर्स एसोसिएशन ने आज एक दिवसीय सांकेतिक बंद का ऐलान किया है।

एसोसिएशन ने मांढल में तहसील पत्रकार संघ कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। अध्यक्ष राजीव बुड्डे, सचिव गिरीश पटेल, सहसचिव नीलकंठ ठाकरे, उपाध्यक्ष परमानंद तुमसरे सहित कई पदाधिकारी इस मौके पर उपस्थित थे।

नकली बीजों से किसानों की फसल बर्बाद : खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही सोयाबीन और कपास की बुआई ने रफ्तार पकड़ी है। इसी का फायदा उठाकर बाजार में प्रतिबंधित HTBT बीज बेचने वाले गिरोह सक्रिय हो गए हैं। ये गिरोह सीधे किसानों से संपर्क कर महंगे दामों पर नकली बीज घर-घर पहुंचा रहे हैं। न तो इन बीजों का कोई बिल दिया जाता है और न ही कोई प्रमाणिकता होती है। किसान जब फसल में खरपतवारनाशक छिड़कते हैं तो फसल ही नष्ट हो जाती है या पौधों में उत्पादन क्षमता नहीं होती, जिससे भारी नुकसान होता है।

अवैध खाद-कीटनाशकों की भी धड़ल्ले से बिक्री : इसी तरह अवैध रूप से खाद और कीटनाशक भी एजेंटों के जरिए गांव-गांव बेचे जा रहे हैं। इन उत्पादों को सरकार से कोई मान्यता नहीं है और इनके घटक तत्वों का भी स्पष्ट उल्लेख नहीं होता। लेकिन किसानों को भ्रमित कर उन्हें यह उत्पाद बेच दिए जाते हैं, जिससे उनकी आर्थिक हालत और खराब हो जाती है।

प्रमुख मांगे:

1.अवैध एचटीबीटी बीजों की बिक्री पर प्रतिबंध
2.नकली खाद और कीटनाशकों की जांच और कार्यवाही
3.लिंकिंग प्रणाली को पूर्ण रूप से बंद करना
4.किसानों को गुणवत्तापूर्ण और प्रमाणित उत्पाद उपलब्ध कराना
5.किसानों की फसल और भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए अब समय आ गया है कि प्रशासन इस पर सख्त कदम उठाए।

लिंकिंग सिस्टम से भी किसान परेशान : इस समय बाजार में खाद की भारी मांग है। लेकिन दुकानदारों द्वारा किसानों को युरिया, डीएपी जैसे प्रमुख खादों के साथ अन्य गैरजरूरी उत्पाद भी जबरन दिए जा रहे हैं – जिसे "लिंकिंग" कहा जा रहा है।

इससे किसानों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कृषि विभाग ने किसानों से ऐसी लिंकिंग का विरोध करने की अपील की है, लेकिन दूसरी ओर एग्रो डीलर्स का कहना है कि उन्हें भी ये खाद लिंकिंग के जरिए ही मिलते हैं। ऐसे में सरकार को इस पूरी लिंकिंग प्रणाली को बंद करना चाहिए।

सांकेतिक बंद के जरिए कड़ा संदेश : कुही तालुका एग्रो डीलर्स एसोसिएशन ने बताया कि इस एक दिवसीय सांकेतिक बंद के माध्यम से वे सरकार को कड़ा संदेश देना चाहते हैं। उनकी मुख्य मांग है – बोगस बीज और अवैध खाद-कीटनाशकों की बिक्री पर प्रतिबंध लगे और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो। साथ ही, लिंकिंग की प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए।

उभरते सितारे में 'आओ गुनगुनाएं' कार्यक्रम बच्चों ने दी प्रस्तुति

नागपुर.

विदर्भ हिंदी साहित्य सम्मेलन का नवोदित प्रतिभाओं को समर्पित उपक्रम 'उभरते सितारे' का आयोजन हिंदी मोर भवन के उत्कर्ष हॉल में किया गया। कार्यक्रम का विषय 'आओ गुनगुनाएं' पर आधारित ज्ञानवर्धक, मनोरंजन और संगीतमय प्रस्तुतियों से भरा रहा। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप मे सांदीपनी स्कूल के कंप्यूटर शिक्षक और संगीत विशारद जनार्दन लाडसे उपस्थित थे। इनका सम्मान संयोजक युवराज कुमार ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया। सर्वप्रथम, कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए प्रशांत शंभरकर ने 'आओ गुनगुनाएं' पर अपने विचार व्यक्त किए। तत्पश्चात, बच्चों ने भी इस विषय पर अपने विचार रखते हुए अपने गीतों और नृत्य से सबको प्रभावित किया। जिसमें, अंश माखिजा, संपूर्णा रेमंडल ने कार्यक्रम के विषय पर सुंदर कविता सुनाई। त्रिशीका वाघमारे, आदित्य मिंज, कमल मोहाडीकर, जान्हवी तामगड़े ओर अंश माखिजा ने कीबोर्ड बजाकर सुंदर गीतों की प्रस्तुति दी। अयांश गुप्ता, कनिष्के गुप्ता और संपूर्णा रेमंडल ने बहुत ही सुंदर शास्त्रीय कथक नृत्य की पेश किया। प्रशांत दोसारवार ने सुंदर बांसुरी वादन किया। कार्यक्रम दौरान बच्चों की प्रस्तुतियों को उनके अभिभावकों के साथ-साथ सीमा लूहा, सरिता लाकुड़कर, वैशाली तळवेकर, शिवानी लूहा, विजय मोहड़ीकर, पूजा मखीजा, रवि सहारे, मीनाक्षी केसरवानी, सुरेश मिंज, गीता मिंज, वैशाली मदारे और मोनिका रेमंडल आदि ने बहुत सराहा। कार्यक्रम में प्रशांत शंभरकर ने सहयोग किया।

महर्षि वाल्मीकि बहुउद्देशीय संस्था ने किया विद्यार्थियों का सत्कार

नागपुर /कामठी.

> समाज के व्यवसायियों को भी किया गया सम्मानित

महर्षि वाल्मीकि बहुउद्देशीय संस्था नागपुर (रजि.) के तत्वावधान में शिक्षक सहकारी बैंक नागपुर मे विद्यार्थियों का सत्कार कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा महर्षि वाल्मीकि एवं डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम मे बाल्मीकि समाज नागपुर कामठी के दसवीं, बारहवीं, पदवीधर विद्यार्थियों, उच्च शिक्षितों एवं समाज के व्यवसायियों का सत्कार किया गया। कार्यक्रम मे उपस्थित मुख्य अतिथियों में स.कर्म.आयोग महा. अध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त सतीश डागोर, न्यायाधीश कु.खुशबु गोपाल झांझोटे पुलगांव, छिंदवाड़ा निगम पार्षद जगदीश जी गोदरे, सिवनी नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती डॉली अमित डागोर, सिवनी नगर पालिका पार्षद कु. साक्षी संजय डागोरिया का स्मृतिचिन्ह एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर सत्कार किया गया। कार्यक्रम मे उपस्थित अन्य अतिथियों में पूर्व महापौर राजेश तांबे,अ. भा. स. मजदूर कांग्रेस रा. महासचिव जयसिंग कच्छवाह, पूर्व पार्षद

अजय डागोरिया, पूर्व पार्षद विजय चुटेले, अ.भा. बाल्मीकि महासभा रा. महासचिव मेहरसिंग मेहरोलिया, मनपा सहायक विधि अधिकारी सूरज पारोचे, गोपाल झांझोटे (पुलगांव) का भी पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम दौरान संस्था अध्यक्ष व भाजपा के कार्याध्यक्ष समाज के नेता राज हाड़ोती ने अपने प्रस्ताविक भाषण मे संस्था के कार्यों से संबंधित सभी विषयों पर अवगत कराया। मंच संचालन सचिव राजेन्द्र पत्रोलिया एवं उज्ज्वल हाड़ोती ने किया। आभार प्रदर्शन शहर अध्यक्ष विक्की सारवान द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये संस्था के पदाधिकारियों में चमन हाड़ोती, चंदन चावरिया, रमेश मेहरोलिया, प्रकाश ज़ैदिया, चमन गोगलिया, राजू सारवान, बबलू मेहरोलिया, विजय तांबे, ईश्वर डेंडवाल, बंटी सारवान, मंजीत चौहान, अमोल सेवते, नितिन सारवान, बबलू चौहान, विक्की सारवान, सुशील सारवान, रणधीर शिव, अमित राजकरोसिया, रविंद्र सोदे, हिमांशु मेहरोलिया, अश्विन गजरे, विनय मेहरोलिया, हर्षल हाड़ोती, निहाल जाधव, विनय उजैनवार सहित अन्य लोगों ने कड़ी मेहनत किए। कार्यक्रम मे समाज बंधु एवं अन्य गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पाटनसावंगी का अवैध टोल हटाने की लड़ाई रंग लाई

सावनेर.

> विधायक डॉ. आशीष देशमुख के नेतृत्व में हुआ आंदोलन
> विभाग ने 31 जुलाई तक मांगा समय

नागपुर-सावनेर हाईवे पर पाटनसावंगी स्थित अवैध टोल नाका हटाने की मांग को लेकर जनता की वर्षों पुरानी पीड़ा आखिरकार रंग लाती दिख रही है। इस मुद्दे को लेकर विधायक डॉ. आशीष देशमुख व भाजपा जिलाध्यक्ष मनोहर कुंभारे ने आंदोलन छेड़ते हुए 29 जून को टोल नाका हटाने की अंतिम चेतावनी दी थी।

इसके पूर्व, 28 जून को दोनों नेताओं ने निर्माणाधीन भागी माहेरी टोल का दौरा कर विभागीय अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और कार्य में हो रही ढिलाई पर नाराजगी जताई। 29 जून को डॉ. देशमुख, कुंभारे और भाजपा पदाधिकारियों की अगुवाई में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व नागरिक पाटनसावंगी टोल नाके पर एकत्र हुए। जोरदार नारेबाजी के बीच टोल को तत्काल हटाकर भागी माहेरी

स्थानांतरित करने की मांग की गई। आंदोलन के दौरान कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य रही। इस आंदोलन को गंभीरता से लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी सिन्हा मौके पर पहुंचे और टोल स्थानांतरण के लिए विभाग की ओर से 31 जुलाई तक का समय मांगा। विभाग ने इस संबंध में एक सूचना फलक भी लगाया, जिसमें 1 अगस्त 2025 को टोल नाका भागी माहेरी शिफ्ट किए जाने की घोषणा की गई।

इस खबर से स्थानीय किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों व आम नागरिकों में खुशी की लहर दौड़ गई है। विधानसभा चुनाव के दौरान जनता से किया गया वादा अब पूरा होने जा रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष मनोहर कुंभारे ने कहा कि यह जीत जनशक्ति और जनप्रतिनिधियों के अथक प्रयासों की है। इस अवसर पर तहसील उपविभागीय अधिकारी सम्पत खलाटे, भाजपा नेता किशोर चौधरी, रामराव मोवाड़े, राजू घुगल, किशोर मुसले, सोनू नवर्धीगे, प्रमोद पिम्पले, पिंटू सातपुते सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

विधायक डॉ. आशीष देशमुख ने कहा कि जब तक टोल पूरी तरह से स्थानांतरित नहीं होता, आंदोलन जारी रहेगा। यह जनता की जीत की शुरुआत है।

पीएम श्री प्राथमिक स्कूल के मैदान की मरम्मत में भारी लापरवाही

कोंढाली.

> ठेकेदार ने मैदान को कर दिया कीचड़ से लबालब

प्रधानमंत्री श्री स्कूल योजना के तहत जहां एक ओर सरकारी स्कूलों को आधुनिक और सर्वसुविधायुक्त बनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कोंढाली में एक प्राथमिक स्कूल के खेल के मैदान की मरम्मत में भारी अनियमितता सामने आई है। यहां मरम्मत के नाम पर मैदान को इस कदर खोद दिया गया कि अब वह खेलने लायक बचा ही नहीं। बरसात के मौसम में यह मैदान कीचड़ से लबालब हो गया है, जिससे छोटे-छोटे छात्रों के गिरने की घटनाएं भी हो रही हैं।

कोंढाली स्थित पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय के खेल मैदान की मरम्मत के लिए नियुक्त ठेकेदार ने मैदान को समतल करने के बजाय उल्टा उसे उखाड़ दिया। परिणामस्वरूप बारिश का पानी मैदान में भर गया और पूरा परिसर कीचड़ में तब्दील हो गया है। इस वजह से छात्रों का खेलना तो दूर, स्कूल परिसर में सुरक्षित चलना भी मुश्किल हो गया है।

स्कूल प्रबंधन समिति ने जताई चिंता : स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संजय खुटाफले, सदस्य स्वप्निल व्यास और संजय राऊत ने इस मुद्दे पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने बताया कि मैदान की मरम्मत के नाम पर बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ किया गया है। छोटे बच्चों के कीचड़ में गिरने की घटनाएं बढ़ गई हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है।

प्रधानाचार्य को नहीं दी गई कोई जानकारी : स्कूल की प्रधानाचार्य रजनी मानकर ने बताया कि न तो ठेकेदार ने काम शुरू करने से पहले कोई सूचना दी और न ही अब तक यह स्पष्ट किया गया है कि यह कार्य किस एजेंसी के तहत किया जा रहा है। ठेकेदार कौन है, और काम की जिम्मेदारी किस विभाग की है – इस संबंध में स्कूल प्रशासन को कोई जानकारी नहीं दी गई है। भारत सरकार ने वर्ष 2022 में "पीएम श्री स्कूल" योजना की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य था – राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करते हुए सरकारी स्कूलों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना। लेकिन कोंढाली के इस प्राथमिक स्कूल में जो दृश्य सामने आया है, वह योजना की मंशा को ही कटघरे में खड़ा करता है।

स्थानीय प्रशासन से कार्रवाई की मांग : स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने संबंधित एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा से जुड़े ऐसे मामलों में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए।

खापरखेड़ा में 'रिपब्लिकन कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन' का गठन

खापरखेड़ा .

खापरखेड़ा स्थित थर्मल पावर स्टेशन जहां सैकड़ों लोगों की आजीविका जुड़ी है, वहीं वर्षों से यहां काम की मांग कर रहे स्थानीय छोटे और नए ठेकेदारों को बार-बार नजरअंदाज किया जा रहा है। ठेकेदारी क्षेत्र में फैली इस असमानता और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने हेतु अब स्थानीय ठेकेदार एकजुट हो गए हैं। इसी उद्देश्य से 'रिपब्लिकन कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन' की स्थापना की गई है। इस संगठन का गठन एक विशेष सभा में किया गया, जिसकी

अध्यक्षता आरपीआई नेता पृथ्वीराज बोरकर ने की। सभा में उपस्थित स्थानीय ठेकेदारों ने सर्वसम्मति से संगठन के गठन का समर्थन किया और कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। "अब वक्त आ गया है कि चिचोली सर्कल के युवाओं, बेरोजगारों और मेहनती छोटे ठेकेदारों को भी खापरखेडा थर्मल पावर स्टेशन में कोटेशन आधारित कार्यों में प्राथमिकता मिले। इसके लिए एसोसिएशन हरसंभव प्रयास करेगा।" सभा का संचालन अभियंता राहुल बागडे ने किया। प्रस्तावना प्रकाश लांजेवार ने प्रस्तुत की और आभार प्रदर्शन धर्मेश देशभ्रतार ने किया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय ठेकेदार उपस्थित रहे और उन्होंने इस पहल का जोरदार स्वागत किया। रिपब्लिकन कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन के गठन से अब खापरखेडा क्षेत्र में छोटे ठेकेदारों की आवाज़ बुलंद होगी और उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

कन्हान से डुमरी खुर्द तक हाईवे में सीमेंट, डामर रोड पर कोयले, रेत की धूल का साम्राज्य

कन्हान.

पेंच व कन्हान नदी के किनारे कोयले की खुली खदानें होने के कारण, दिन-रात बड़ी मात्रा में कोयला, रेत और मिट्टी ट्रकों द्वारा ले जाई जाती है। इससे कन्हान, कांद्री से टेकाडी तक के सीमेंट के चार लेन वाले हाईवे पर और टेकाडी से डुमरी खुर्द तक के डामर के चार लेन वाले हाईवे के किनारों पर कोयले और रेत की धूल जमा हो जाती है, जो बारिश के पानी से कीचड़ में बदलकर दुर्घटनाओं को न्योता देती है।

कन्हान शहर के पास वेकोलि कामठी उपक्षेत्र के तहत कामठी और इंदर की खुली कोयला खदानों और गोंडेगांव उपक्षेत्र के तहत गोंडेगांव, घाटरोहणा की खुली कोयला खदानों से भारी मात्रा में कोयले का खनन होता है. यह कोयला निजी कंपनियों और कोराडी, खापरखेड़ा में थर्मल पावर स्टेशनों तक डुमरी रेलवे यार्ड से ट्रेनों द्वारा पहुंचाया जाता है. इसके लिए डुमरी स्टेशन कोयला यार्ड तक खुली कोयला खदानों से कोयला ट्रकों द्वारा ले जाया जाता है, जिससे कांद्री से डुमरी खुर्द तक ट्रकों द्वारा कोयले की धूल का भारी प्रदूषण होता है और इस हाईवे पर कोयले की धूल जमा हो जाती

है। इसके अलावा, कन्हान नदी और पेंच नदी के किनारे कन्हान, सिहोरा, पिपरी, गाडेघाट, जुनिकामठी और पेंच नदी के घाटरोहणा, एंसबा, नांदगांव, बखारी, मेंहदी, नयकुंड गांवों से लगे हुए हैं.

कन्हान और पेंच नदी के तल की रेत निर्माण कार्यों के लिए उत्कृष्ट गुणवत्ता वाली है, इसलिए ट्रैक्टरों और ट्रकों द्वारा अक्सर अवैध रूप से रेत का परिवहन होता है, जिससे इस हाईवे पर रेत की धूल भी दिखाई देती है. इस वजह से कोयले, रेत और मिट्टी की महीन धूल सड़क के एक तरफ और गड्ढों वाली सड़कों पर बड़ी मात्रा में जमा हो जाती है, जिससे वाहनों के कारण हमेशा धूल का प्रदूषण होता है। कन्हान नाका नंबर 7 से कांद्री और टेकाडी नागपुर बाईपास वाई पॉइंट चार लेन सीमेंट हाईवे के दोनों ओर दिन-रात दस से बीस चक्के वाले ट्रक खड़े रहते हैं, जिससे इस हाईवे पर ट्रकों की कतारें लग जाती हैं और हाईवे संकरा हो जाता है। इससे आने-जाने वाले वाहनों, खासकर वाहन चालकों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। इन खड़े ट्रकों और कोयला, रेत, मिट्टी की धूल के कारण कई दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है और कुछ को विकलांगता का सामना करना पड़ा है।

इसलिए, संबंधित विभाग के अधिकारियों को कोयला और रेत ले जाने वाले इन ट्रकों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए और हाईवे पर जमा होने वाली धूल को समय पर साफ करना चाहिए। ताकि इस हाईवे को यातायात के लिए सुचारू बनाना चाहिए, ताकि दुर्घटनाओं की संख्या को नियंत्रित किया जा सके।

पारशिवनी में क्रीड़ा संकुल का लोकार्पण, 3 करोड़ की लागत से बनेगा आधुनिक क्रीड़ांगन

> प्रतिभावान खिलाड़ियों का सपना हुआ साकार, विधायक आशीष जायस्वाल के प्रयास रंग लाए

पारशिवनी.

पारशिवनी शहर के खेलप्रेमी युवाओं और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी सौगात के रूप में नवनिर्मित क्रीड़ा संकुल का लोकार्पण स्थानीय विधायक आशीष जैसवाल के हाथों संपन्न हुआ। इसी के साथ 3 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित क्रीड़ा गण (खेल मैदान) निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया।

लंबे समय से थी मांग : शहर के खिलाड़ियों द्वारा वर्षों से यह मांग की जा रही थी कि पारशिवनी में एक ऐसा क्रीड़ा संकुल और खेल मैदान बने जहाँ सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। पूर्व में 6.30 एकड़ भूमि आरक्षित कर एक करोड़ की लागत से क्रीड़ा संकुल का निर्माण किया गया था, लेकिन वर्षों तक यह खिलाड़ियों के लिए उपयोगी नहीं हो पाया।

विधायक जैसवाल ने दिखाई सक्रियता : विधायक आशीष जैसवाल ने खिलाड़ियों की वर्षों पुरानी इस मांग को गंभीरता से लेते हुए सरकार में रहते हुए इस कार्य के लिए निरंतर प्रयास किए। उनके प्रयासों से अब पारशिवनी को एक अत्याधुनिक

क्रीड़ा संकुल और क्रीड़ा गण मिलने जा रहा है।

कई खेलों के लिए आधुनिक सुविधाएं : नवनिर्मित क्रीड़ा गण में खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, जिम, एथलेटिक्स, बैडमिंटन जैसी खेल स्पर्धाओं के लिए उपयुक्त मैदान और सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही विभिन्न जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन भी यहाँ संभव होगा।

भूमिपूजन समारोह में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति : इस अवसर पर आयोजित भूमिपूजन समारोह में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से राजेश गोमकाळे, उत्तम वडसकर, दीपक शिवरकर, रोशन पिंपरामुळे, प्रेम भोडेंकर, पूर्व नगराध्यक्ष प्रतिभा कुंभालकर, टीकाराम परतेकी, धर्मदास धारड, राजू भोस्कर, क्रीड़ा अधिकारी पल्लवी धात्रक, तहसीलदार सुरेश वाघचोरे समेत अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही।

अब खिलाड़ियों को मिलेगा अपना मंच : पारशिवनी में इस अत्याधुनिक क्रीड़ा संकुल के निर्माण से न केवल खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के अवसर मिलेंगे, बल्कि यह क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

गोंदिया-हैदराबाद फ्लाइट अब सप्ताह में तीन दिन

>2 जुलाई से नया शेड्यूल लागू

गोंदिया.

गोंदिया जिले के हवाई यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव की खबर सामने आई है। बिरसी एयरपोर्ट से प्रतिदिन उड़ान भरने वाली इंडिगो की गोंदिया-हैदराबाद फ्लाइट सेवा अब सप्ताह में केवल तीन दिन ही संचालित होगी। यह नई व्यवस्था 2 जुलाई 2025 से लागू की जा रही है और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

एयरपोर्ट प्रशासन की ओर से यह जानकारी दी गई है कि फ्लाइट अब हर मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को ही चलेगी। इस परिवर्तन की पुष्टि गोंदिया एयरपोर्ट के आधिकारिक ट्विटर हैंडल के माध्यम से की गई है। साथ ही, एयरपोर्ट डायरेक्टर गिरीश चंद वर्मा ने भी इस फैसले की जानकारी मीडिया को दी।

एयरपोर्ट डायरेक्टर वर्मा ने बताया कि यह निर्णय इंडिगो एयरलाइंस द्वारा लिया गया है और फिलहाल इसका कारण आंतरिक व्यवस्थाओं से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधाओं का ध्यान रखते हुए एयरपोर्ट प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है, ताकि उड़ानों की नियमितता बनी रहे।

बिरसी एयरपोर्ट पर तैनात इंडिगो एयरलाइंस के मैनेजर ने भी जानकारी देते हुए बताया कि गोंदिया-हैदराबाद रूट पर उड़ान सेवा अब सप्ताह में तीन दिन – मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को ही संचालित होगी।

हालांकि, फ्लाइट के समय में किसी प्रकार का कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। पहले की तरह ही उड़ान का प्रस्थान और आगमन तय समय पर ही रहेगा। इस बदलाव से नियमित रूप से हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों को अपनी यात्रा योजना दोबारा तय करनी होगी।

विशेष रूप से व्यापारिक यात्रियों और मेडिकल ट्रैवल करने वालों के लिए यह बदलाव असुविधाजनक साबित हो सकता है। कई यात्री गोंदिया से हैदराबाद की सीधी कनेक्टिविटी को लेकर संतुष्ट थे, लेकिन अब उन्हें वैकल्पिक साधनों पर विचार करना पड़ सकता है।

स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों ने फ्लाइट की फ्रीक्वेंसी कम किए जाने पर चिंता जताई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जैसे ही यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा, एयरलाइंस पुनः रोजाना उड़ान सेवा बहाल करेगी।

एयरपोर्ट धीरे-धीरे यात्री सुविधा के लिहाज से विकसित हो रहा है : गौरतलब है कि गोंदिया का बिरसी एयरपोर्ट धीरे-धीरे यात्री सुविधा के लिहाज से विकसित हो रहा है। इंडिगो की हैदराबाद फ्लाइट गोंदिया के लिए पहली नियमित सेवा मानी जाती है, जिसने स्थानीय लोगों के लिए बड़ा राहत का काम किया था। अब यह सीमित होने से एक बार फिर मांग उठने लगी है कि अन्य रूट्स के लिए भी उड़ानों की शुरुआत की जाए। फिलहाल, यात्रियों को सलाह दी जा रही है कि वे अपनी यात्रा की योजना नए शेड्यूल के अनुसार बनाएं और किसी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए उड़ान से पहले संबंधित एयरलाइन या एयरपोर्ट से जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

बांबू क्राफ्ट डिज़ाइन डेवलपमेंट वर्कशॉप का भव्य शुभारंभ

> 30 कारीगरों को मिलेगा 25 दिवसीय आधुनिक प्रशिक्षण
> भविष्य के उद्यमियों के लिए सुनहरा अवसर

हिंगनघाट.

भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय अंतर्गत नागपुर के हस्तकला सेवा केंद्र के सौजन्य से हिंगनघाट में बांबू क्राफ्ट पर आधारित 25 दिवसीय डिज़ाइन डेवलपमेंट वर्कशॉप का आयोजन भव्य उत्साह के साथ किया गया। इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक बांबू कारीगरों को आधुनिक डिज़ाइन और कौशल में प्रशिक्षित कर उन्हें आत्मनिर्भर और स्वावलंबी उद्यमी बनाना है।

कार्यशाला का शुभारंभ 23 जून को सुबह 10 बजे हुआ। इस अवसर पर डॉ. डी. एच. पुट्टेवार (प्राध्यापक एवं ईडी सेल इंचार्ज, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर महाविद्यालय, नागपुर) प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, "मैं आप सभी में भविष्य के सफल उद्यमी देख रहा हूँ। नौकरी जाने का डर हमेशा बना रहता है, लेकिन कौशल आधारित व्यवसाय जीवनभर साथ देता है। इसलिए इस अवसर का पूरा लाभ उठाएं और दूसरों के लिए प्रेरणा बनें।"

वर्कशॉप में 30 बांबू कारीगरों को चयनित किया गया है, जिन्हें ₹300 प्रतिदिन के मानदेय के साथ कुल ₹7,500 की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके अलावा सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र, उत्पाद प्रदर्शन हेतु स्टॉल, आवास-प्रवास भत्ता, और उत्पादों के प्रचार-प्रसार की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही अनुदानित ऋण योजना और उद्यमिता विकास के लिए विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम का सफल आयोजन जनजागृती बहुउद्देशीय संस्था के अध्यक्ष श्री विनोद चिलबिलवार और उनकी समर्पित टीम द्वारा किया गया, जिसमें सतीश जवादे, रेखा चीलविरवार, ऋषी चांदेकर, निशिकांत जवादे, स्वप्नील पारलेवार, शांतनू जवादे, मनोज पारलेवार, भाग्यश्री पुट्टेवार, वेष्णवी पुट्टेवार, किशोर पुट्टेवार, प्रवीण जवादे, दौलत मंचलवार, हर्षल करंदीकर, विद्या मंचलवार, कांचन जवादे, अनिता चांदेकर व किरण पुट्टेवार का विशेष योगदान रहा।

यह वर्कशॉप न केवल कारीगरों के लिए सीखने का मंच है, बल्कि उनके उज्जवल भविष्य की दिशा में एक ठोस कदम भी है।

एमगिरी बना ग्रामीण औद्योगिकीकरण का राष्ट्रीय केंद्र: सांसद अमर काले

> प्रधानमंत्री मोदी को एमगिरी लाने का प्रयास करूंगा: सांसद का आश्वासन

वर्धा.

महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगीकरण संस्थान (एमगिरी) देश में ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रभावी मॉडल बनकर उभर रहा है। वर्धा संसदीय क्षेत्र के सांसद अमर काले ने 27 जून 2025 को एमएसएमई दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि एमगिरी द्वारा विकसित तकनीकों से किसानों की आत्महत्या को रोका जा सकता है और युवाओं का गांव से शहरों की ओर पलायन भी थामा जा सकता है।

सांसद काले ने कहा, "गांव समृद्ध होंगे, तभी विकसित भारत का सपना साकार होगा। ग्रामोद्योग के माध्यम से ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिल सकता है और इसके लिए एमगिरी का औद्योगिकीकरण मॉडल पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए।"

उन्होंने राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज की 'ग्रामगीता' का उल्लेख करते हुए कहा कि एमगिरी उस ग्रामविकास के सपने को साकार करने का केन्द्र बन गया है।

कार्यक्रम में खादी वस्त्र, पंचगव्य, हर्बल उत्पाद, एलईडी लाइट, सौर ऊर्जा, मोबाइल रिपेयरिंग, धातु शिल्प, सिरेमिक, टेराकोटा आदि क्षेत्रों में एमगिरी से प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने-अपने राज्यों में सफल उद्योग चला रहे उद्यमियों को सम्मानित किया गया। सांसद अमर काले और संस्थान के निदेशक डॉ. आशुतोष मुरकुटे ने शॉल व प्रतीक चिन्ह देकर इन सफल उद्यमियों का अभिनंदन किया।

सांसद काले ने बताया कि एमगिरी से जुड़े कई उद्यमियों का वार्षिक कारोबार 10 लाख से 4 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है, जो ग्रामीण औद्योगिकीकरण की अपार संभावनाओं को दर्शाता है।

उन्होंने डॉ. मुरकुटे के नेतृत्व में संस्थान की उपलब्धियों की सराहना की और इसे विश्वस्तर का संस्थान बनाने हेतु हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।

साथ ही उन्होंने एमगिरी संस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित करने का प्रयास करने की भी घोषणा की। इस अवसर पर डॉ. आशुतोष मुरकुटे ने संस्थान की विभिन्न उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी तथा देशभर से आए उद्यमियों को आगे भी तकनीकी सहयोग देने का वचन दिया।

कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. वेंकट राव (उप निदेशक, ग्रामीण शिल्प एवं अभियांत्रिकी विभाग) ने किया और संचालन डॉ. जयकिशोर छांगाणी (वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी) ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. राव, विनोद वनकर, मनोज शर्मा, सरिता खड्से और तुकाराम शेगोकार ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्राहकों से सीधे संवाद करेगा युगांत अर्बन, नई पहल की शुरुआत

हिंगनघाट.

युगांत अर्बन को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड ने ग्राहकों से सीधे संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से एक नई पहल की शुरुआत की है। इस संवाद कार्यक्रम के तहत ग्राहक अब अपनी समस्याएं, सुझाव और प्रतिक्रियाएं सीधे संस्था के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा कर सकेंगे।

हर महीने होगा संवाद सत्र : इस पहल के अंतर्गत प्रत्येक महीने के चौथे शनिवार को सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक संवाद सत्र आयोजित किया जाएगा। इस सत्र में युगांत अर्बन के अध्यक्ष चेतन ढोरे, उपाध्यक्ष मयूर पाटील समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे और ग्राहकों के सवालों का उत्तर देंगे।

ग्राहकों की बात को मिलेगा महत्व : युगांत अर्बन के अध्यक्ष चेतन ढोरे ने कहा, "हमारे संगठन की मजबूती का आधार हमारे ग्राहक हैं। उनकी समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना हमारी प्राथमिकता है। यह संवाद कार्यक्रम उसी दिशा में एक सकारात्मक कदम है।"

कार्यक्रम में हुई सक्रिय सहभागिता : पहले संवाद सत्र में व्यवस्थापक स्वीटी राऊत, आकाश धवणे, खुशाल झाडे सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर ग्राहकों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं और समाधान का भरोसा दिलाया।

उद्देश्य – पारदर्शी और उत्तरदायी सेवा : इस संवाद पहल का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को भरोसेमंद, पारदर्शी और जवाबदेह सेवा देना है, जिससे संस्था और ग्राहकों के बीच विश्वास का रिश्ता और मजबूत हो सके।

युगांत अर्बन की यह पहल सहकारी क्षेत्र में ग्राहक सहभागिता की दिशा में एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकती है।

मनपा के सामने 278 करोड़ रुपए टैक्स वसूली की चुनौती

अकोला.

वित्तीय वर्ष की शुरुआत में मनपा ने टैक्स वसूली अभियान में तेजी लाते हुए निजी एजेंसियों की बजाय अपने कर्मचारियों के जरिए वसूली शुरू कर दी है। हालांकि इस अभियान के तहत पहले ढाई महीने में 6 करोड़ 51 लाख 29 हजार 604 रुपए वसूलने में सफलता मिली है, लेकिन प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती है, क्योंकि साल के अंत तक 284 करोड़ रुपए से ज्यादा का लक्ष्य हासिल करना है। मनपा के टैक्स विभाग की जानकारी के अनुसार संपत्ति कर, जल आपूर्ति कर, बाजार वसूली, लाइसेंस नवीनीकरण जैसे विभिन्न स्रोतों से राजस्व वसूला जा रहा है। पिछले साल मनपा ने यह जिम्मेदारी एक निजी संस्था स्वाति इंडस्ट्रीज को दी थी, लेकिन अपेक्षित वसूली न होने के कारण मनपा आयुक्त डॉ. सुनील लहाने के आदेश पर दिसंबर में एजेंसी की सेवाएं बंद कर दी गई थीं और प्रशासन ने खुद ही वसूली का काम फिर से शुरू कर दिया था। मनपा के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल कुल कर संग्रह 204 करोड़ 11 लाख 36 हजार 88 रुपये था। चालू वित्त वर्ष के लिए संपत्ति कर का लक्ष्य 80 करोड़ 35 लाख 88 हजार 049 रुपये है। इसलिए, कुल संग्रह लक्ष्य 284.47 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है। मनपा ने नागरिकों को ऑनलाइन करों का भुगतान करने के साथ-साथ स्थानीय कार्यालयों में व्यक्तिगत रूप से भुगतान करने की अनुमति दी है।

सिर्फ फोटो खिंचवाने तटबंध पर न आएं, मुंबई में डेरा डालें और मुआवजा लेकर आएं

>तुपकर का जाधव पर हमला

बुलढाणा.

जिले के मेहकर, लोणार और सिंदखेडराजा तालुका में भारी बारिश के कारण किसानों को भारी नुकसान हुआ है. इस पृष्ठभूमि में किसान नेता रविकांत तुपकर ने सत्ताधारी पार्टी खासकर केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव पर परोक्ष रूप से निशाना साधा है। तुपकर ने कहा, "मंत्री और जनप्रतिनिधि सिर्फ बांध पर आकर फोटो सेशन न करें, तुरंत मुंबई जाकर डेरा डालें और किसानों के लिए मुआवजा लेकर आएं और फिर काम पर आएं, किसानों के लिए एक सप्ताह के भीतर फिर से बुवाई की व्यवस्था करें, अन्यथा किसानों का धैर्य खत्म होने की संभावना है."

इन दो दिनों में कई नेताओं ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया. इनमें एन. प्रतापराव जाधव, किसान नेता रविकांत तुपकर, विधायक सिद्धार्थ खरात, विधायक मनोज कायंदे और पूर्व विधायक संजय रायमुलकर शामिल हैं. रविकांत तुपकर ने सत्ताधारी नेताओं के इस दौरे की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि फोटो सेशन करके दिखावा मत करो। सूखी सहानुभूति मत दिखाओ। अगर आप सत्ता में हो, मंत्री हो तो मुंबई में डेरा डालो और विशेष पैकेज लेकर आओ। तुपकर ने केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव को सलाह दी। वादे करके समय बर्बाद मत करो, किसानों को 100 प्रतिशत मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि पश्चिमी महाराष्ट्र के नेताओं का उदाहरण लेना आपका कर्तव्य है। जब कोल्हापुर और सांगली में भीषण बाढ़ आई तो वहां के नेताओं ने सहायता राशि बढ़ाने के लिए अपना जीआर बदल दिया और आप सिर्फ फोटो सेशन करके सूखी सहानुभूति दिखा रहे हैं।

झुग्गी-झोपड़ी हटाकर पुनर्वास की मांग, समस्या हल नहीं हुई तो ठीया आंदोलन की चेतावनी

> संत तुकड़ोजी वार्ड की महिलाओं ने मुख्याधिकारी को सौंपा ज्ञापन

हिंगनघाट.

शहर के संत तुकड़ोजी वार्ड की महिलाओं ने कालोडे सभागृह के सामने स्थित झुग्गी-झोपड़ी हटाकर वहां के बस्तीवासियों को दूसरी जगह पुनर्वसित करने की मांग को लेकर मुख्याधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों में समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे ठिय्या आंदोलन शुरू करेंगी।

ज्ञापन में बताया गया है कि खेत सर्वे नंबर 176/2 (मोजा पिंपलगांव), जो कि कालोडे सभागृह के सामने स्थित है, वहां झुग्गी-झोपड़ियों का अतिक्रमण हो गया है। इससे संत तुकडोजी वार्ड के रहवासियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यह आरोप लगाया गया है कि इन झुग्गियों और दुकानों में खुलेआम शराब और नशीले पदार्थों की बिक्री होती है, जिससे स्थानीय वातावरण दूषित हो गया है। महिलाओं और लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं आम हो गई हैं। त्योहारों और सामूहिक आयोजनों के दौरान शराब पीकर गाली-गलौज और झगड़े होते हैं। बस्ती में बिना अनुमति देर रात तक डीजे बजाया जाता है, जिससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ गया है। खुले में शौच करने की वजह से मलेरिया, डेंगू जैसी बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है। इसके अलावा, झुग्गियों और दुकानों से निकलने वाला गंदा पानी सीधे वार्डवासियों के घरों के सामने फेंका जाता है। यदि कोई स्थानीय नागरिक इन समस्याओं का विरोध करता है, तो बस्ती के कुछ लोग मारपीट पर उतर आते हैं। संत तुकडोजी वार्ड के नागरिक इन समस्याओं से पिछले कई वर्षों से जूझ रहे हैं। उन्होंने प्रशासन को कई बार ज्ञापन सौंपा, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इस बार महिलाओं ने एकजुट होकर आंदोलन की चेतावनी दी है और स्थायी समाधान की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में उमा भोयर, अश्विनी अवचट, शीतल राऊत, राजश्री झोंटींग, प्रज्ञा राऊत, संगीता मेंढे, उज्वला भोरे, रेखा सातपुते, शारदा धोकपांडे, मीना झाडे, दिलीप बालपांडे, राहुल झाडे, हुकेश धोकपांडे, नितिन कोल्हे समेत कई नागरिक उपस्थित थे। स्थानीय प्रशासन अब इस गंभीर मांग पर क्या रुख अपनाता है, यह देखने योग्य होगा।

विदर्भ के स्वर्ग चिखलदरा में पर्यटकों का लगा तांता, हर जगह दिखाई दे रही भीड़

अमरावती.

विदर्भ का स्वर्ग, मेलघाट का सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थल चिखलदरा पिछले तीन दिनों से कोहरे में खोया हुआ है। रिमझिम बारिश और कड़ाके की ठंड ने चिखलदरा में खुशनुमा माहौल बना दिया है। पर्यटकों को इस माहौल का लुत्फ उठाने का मौका मिला है और चिखलदरा पर्यटन स्थल इस समय पर्यटकों से गुलजार है। रविवार की सुबह चिखलदरा शहर समेत पूरी सतपुड़ा पर्वत शृंखला कोहरे में खो गई। शहर और पर्वत शृंखला से गुजरते समय कुछ ऊंचाई पर कोहरे की मोटी चादर के कारण दूर-दूर तक कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है। ऐसे माहौल में पहली बार चिखलदरा आने वाले पर्यटकों के लिए घाटों में घूमने का यह अनुभव बेहद रोमांचकारी है। चिखलदरा में हरिकेन पॉइंट, भीम कुंड, स्काईवॉक पॉइंट, गाविलगढ़ किला, देवी पॉइंट जैसे सभी महत्वपूर्ण पॉइंट पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी है। खासकर सुबह के समय चिखलदरा में इतना घना कोहरा छाया हुआ था कि थोड़ी दूर पर खड़ा व्यक्ति भी पहचान में नहीं आ रहा था। कई पर्यटकों ने इस कोहरे में घूमने का आनंद लिया। इस कोहरे के कारण चिखलदरा में बन रहे देश के सबसे बड़े स्काईवॉक के खंभे भी धुंधले हो गए। अब पूरे मानसून में चिखलदरा का वातावरण बेहद खूबसूरत बना रहेगा। घाटों से पहाड़ की ऊंची चोटी पर बसे चिखलदरा जाते समय गहरी घाटियों से भारी मात्रा में कोहरा उठता हुआ दिखाई देता है। कोहरे में डूबे चिखलदरा में भी पर्यटक पर्यटन का आनंद ले रहे हैं।

मराठी फिल्म 'तेरव' को राज्य फिल्म पुरस्कारों में छह नामांकन

> ग्रामीण महिलाओं के संघर्ष की कहानी को मिली पहचान

वर्धा.

61वें राज्य मराठी फिल्म पुरस्कारों के लिए नामांकन की घोषणा हो चुकी है और वर्धा के थिएटर-सिनेमा निर्देशक हरीश इथापे की फिल्म 'तेरव' ने धमाकेदार एंट्री करते हुए छह प्रमुख श्रेणियों में नामांकन प्राप्त किया है।

फिल्म को सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ पटकथा, सर्वश्रेष्ठ संगीत, सर्वश्रेष्ठ पार्श्व संगीत, सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री और सर्वश्रेष्ठ डेब्यू निर्देशन जैसी अहम श्रेणियों में नामांकित किया गया है। यह घोषणा महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री आशीष शेलार ने मुंबई में की। 'तेरव' एक मार्मिक कहानी है जो किसानों की आत्महत्या के बाद उनके परिवारों में आने वाले संकट, खासतौर पर महिलाओं के संघर्ष, सामाजिक ताने-बाने और कृषि व्यवस्था की असंवेदनशीलता को गहराई से दर्शाती है। फिल्म की नायिका का संवाद "मैं रोऊंगी नहीं, बल्कि लड़ूंगी" इस फिल्म का केंद्रीय संदेश बन गया है। फिल्म की प्रमुख अभिनेत्री किरण खोजे को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए नामांकित किया गया है, जबकि पटकथा लेखक श्याम पेठकर और संगीतकार वीरेंद्र लाटनकर को भी नामांकन मिला है। फिल्म के निर्देशक हरीश इथापे को डेब्यू डायरेक्शन श्रेणी में जगह मिली है। 'तेरव' की शूटिंग वर्धा, यवतमाल और विदर्भ के अन्य ग्रामीण इलाकों में हुई है। विशेष बात यह है कि फिल्म के दो मुख्य कलाकारों को छोड़कर अधिकांश कलाकार स्थानीय (विदर्भ) क्षेत्र से हैं।

इस फिल्म का निर्माण अंजनीकृपा प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है, निर्माता हैं नरेंद्र जिचकार (नागपुर), छायांकन किया है सुरेश देशमाने (मुंबई) ने, और प्रमुख कलाकारों में किरण खोजे, संदीप पाठक, किरण माने और नेहा दंडाले शामिल हैं। जैसे ही यह खबर सामने आई कि 'तेरव' को छह श्रेणियों में नामांकन मिला है, फिल्म से जुड़े सभी लोगों को बधाइयों का तांता लग गया है। यह फिल्म न केवल विदर्भ के ग्रामीण संघर्षों की कहानी है, बल्कि यह मराठी सिनेमा में सामाजिक यथार्थ और महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण भी बन गई है।

जिले में 50 प्रतिशत बुवाई हुई पूरी

अमरावती.

जून 2025 के अंत तक अमरावती जिले में खरीफ मौसम की बुवाई कार्य ने लगभग 50 प्रतिशत की प्रगति हासिल कर ली है। जिले के कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक कुल 3 लाख 47 हजार 122 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बोई जा चुकी हैं। यह जिले में प्रस्तावित कुल 6 लाख 992 हेक्टेयर कृषि भूमि का लगभग आधा हिस्सा है।

खास बात यह है कि इस साल भी किसानों का सबसे अधिक रुझान सोयाबीन की बुवाई की ओर देखा जा रहा है। अब तक 1 लाख 31 हजार 416 हेक्टेयर क्षेत्र में सोयाबीन की बुवाई पूरी हो चुकी है, जो कुल बुवाई का महत्वपूर्ण हिस्सा है। वहीं, कपास की बुवाई भी लगभग बराबरी पर रही है, जिसमें 1 लाख 28 हजार 361 हेक्टेयर भूमि पर कपास के बीज बोए गए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि किसान अभी भी परंपरागत नकदी फसलों पर विश्वास कर रहे हैं, हालांकि बारिश की अनिश्चितता उनकी चिंता का कारण बनी हुई है।

धामणगांव रेलवे और धारणी तालुका में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रही है। इन तालुकों में 70 प्रतिशत से अधिक बुवाई कार्य पूर्ण हो चुका है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन क्षेत्रों में वर्षा की स्थिति कुछ हद तक अनुकूल रही है या फिर किसानों ने सिंचाई के वैकल्पिक साधनों का सहारा लिया है।

हालांकि, पूरे जिले की बात की जाए तो अब तक केवल 72 मिलीमीटर वर्षा ही दर्ज की गई है, जो सामान्य औसत से काफी कम मानी जा रही है। इससे जिले के अन्य हिस्सों में बुवाई की गति धीमी बनी हुई है। कई क्षेत्रों में किसान अभी भी पर्याप्त बारिश की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिससे उन्हें बोई गई फसलों के अंकुरण में कोई समस्या न आए।

जिला कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यदि जुलाई के पहले सप्ताह तक अच्छी बारिश होती है, तो बुवाई का कार्य तीव्र गति से आगे बढ़ सकता है। हालांकि मौसम विभाग ने आगामी कुछ दिनों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है, परंतु पर्याप्त और सतत वर्षा ही फसलों की सफलता की कुंजी होगी।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए कृषि विशेषज्ञ किसानों को सलाह दे रहे हैं कि वे देर से बुवाई योग्य किस्मों को अपनाएं और जल संरक्षण के उपायों को प्राथमिकता दें। जिले में सूखा संभावित क्षेत्रों में सूखा-सहिष्णु किस्मों और फसल विविधीकरण पर भी जोर दिया जा रहा है।

50 प्रतिशत हुआ काम

कुल मिलाकर, अमरावती जिले में खरीफ बुवाई का कार्य जून के अंत तक 50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। हालांकि, वर्षा की कमी के चलते किसानों की गति कुछ हद तक धीमी पड़ी है, परंतु यदि समय पर बारिश होती है तो आगामी सप्ताहों में बुवाई की प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है। प्रशासन और कृषि विभाग किसानों के सहयोग के लिए तत्पर हैं और लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

गडकरी के हाथों हुआ 'डायजेस्टिव केयर स्पेशल' का विमोचन

नागपुर.

नागपुर में आयोजित एक गरिमामय समारोह में स्वास्थ्य और आयुर्वेद विषयक प्रतिष्ठित पत्रिका 'स्वास्थ्य वाटिका' के "डायजेस्टीव केयर स्पेशल" अंक का विमोचन केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के करकमलों से संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर दिल्ली से पधारे प्रसिद्ध गुरबाणी कीर्तनकार भाई चमनजीत सिंह, किशोर लालवानी और पजू तोतवानी भी मंच पर उपस्थित थे। इस विशेषांक का संपादन डॉ. ममतानी दंपति ने किया है। विमोचन समारोह के दौरान डॉ. ममतानी ने बताया कि आधुनिक जीवनशैली, असंतुलित खानपान और दिनचर्या में लापरवाही के चलते

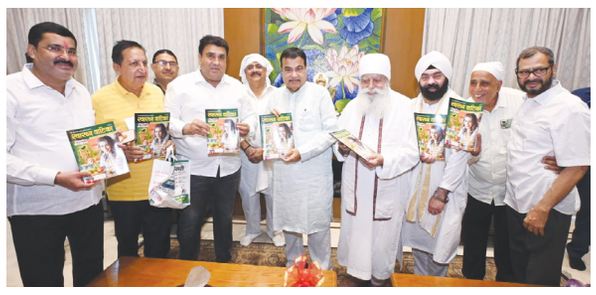

आज अनेक लोग विभिन्न उदररोगों से पीड़ित हैं। इन रोगों की प्रभावी रोकथाम व उपचार के लिए यह अंक तैयार किया गया है, जिसमें सरल भाषा में आयुर्वेदिक नुस्खे, जड़ी-बूटियां, औषधियां, योग, पंचकर्म, और घरेलू उपचार शामिल हैं।

नितिन गडकरी ने अपने संबोधन में डॉ. ममतानी दंपति द्वारा पिछले 35 वर्षों से आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार हेतु किये जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह अंक पाठकों के लिए उदररोगों से बचाव और उपचार में बेहद उपयोगी सिद्ध होगा। अब तक स्वास्थ्य वाटिका के 69 अंक प्रकाशित हो चुके हैं और यह पत्रिका 20 वर्षों का सफल सफर तय कर चुकी है। इस विशेष अंक में इरिटेबल बॉवेल सिंड्रोम, फैटी लिवर, हिपेटाइटिस, मुँह के छाले, फिशर, कब्ज, अग्निमांद्य जैसे रोगों पर विस्तृत जानकारी दी गई है। इसके साथ ही आंत और मस्तिष्क के संबंध, डॉक्टर किचन, माइक्रोबायोम और पाचन देखभाल जैसे समसामयिक विषयों पर लेख भी शामिल किये गए हैं। यह विशेषांक मात्र 50 में प्रमुख पुस्तक विक्रेताओं के पास उपलब्ध है। इच्छुक पाठक इसे www.swasthyavatika.com से ऑनलाइन भी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा जीकुमार आरोग्यधाम, जरीपटका, नागपुर (फोन: 0712-2645600, 2646600, 2647600, 9373397258) से भी पत्रिका प्राप्त की जा सकती है।

उमरेड. पांच शावकों के साथ उमरेड-कऱ्हांडला अभयारण्य के गोठनगांव गेटपर एफ-2 बाघिन का सुबह-सुबह खूबसूरत नजारा।

हिंदी अनिवार्यता के विरोध में उद्धव गुट का प्रदर्शन

राजेश मालवीय

> जीआर की प्रति जलाकर विरोध

अमरावती. उद्धव बालासाहेब ठाकरे पक्ष के शहर प्रमुख प्रवीण हरमकर के नेतृत्व में आज अमरावती के इर्विन चौक पर महाराष्ट्र में पहली कक्षा से हिंदी भाषा को अनिवार्य किये जाने के निर्णय के विरोध में भारतीय जनता पार्टी सरकार का सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णय की अधिसूचना (जीआर) की प्रत जलाकर जोरदार विरोध जताया गया।

इस विरोध प्रदर्शन में शहर प्रमुख प्रवीण हरमकर के साथ जिला प्रमुख मनोज कडू, पश्चिम विदर्भ युवासेना प्रमुख सागर देशमुख, प्रदीप बाजड़, गोविंद दायमा (विभाग प्रमुख, जवाहर गेट), मनीष रमावत (प्रभाग प्रमुख, जवाहर गेट), नितीन तारेकर, आनंद राठी, निकेश शर्मा (युवासेना शाखा

प्रमुख, जवाहर गट), रूपेश आलेकर, शेख नसीम, मोहम्मद रशीद, संदीप मानेकर, जुगल महाराज दवे (शाखा प्रमुख, जवाहर गेट), विनोद मंडलकर (प्रभाग प्रमुख), चंद्रशेखर गिरी, प्रफुल भोजने (उपजिल्हा प्रमुख), प्रमोद कोहडे (तालुका प्रमुख, नांदगाव खंडेश्वर), संजू थुळे, नरेश वानखडे, दत्ता ढोमणे (तालुका प्रमुख, मोर्शी), गब्बर पठाण, समन्वयक संजय होले, शहर प्रमुख वरुड, मनोज कडू (जिल्हा प्रमुख), प्रतिभाताई बोपशेट्टीवार (सह-संपर्क प्रमुख, अमरावती जिला), विकी गुहे (विभाग प्रमुख), शेख अजीम लाला, उमेश केडिया (शाखा प्रमुख, इंद्रभवन थिएटर, साबणपुरा), कंचन ताई ठाकुर (वर्धा जिला संपर्क प्रमुख), विजू ठाकरे (उपमहानगर प्रमुख), पंजाबराव तायवाडे, नितीन हटवार, आशिष प्रमोद वानखडे, अशोका, दिलीप काकडे, पार्थ हरमकर, तुषार अनासने, सुरेश चौधरी, ईश्वर खलेकार, दिलीप केणे, मनोज मोहरे, भास्कर सोनटक्के, नरेंद्र देऊलकर, नरेश वानखडे, बंडू यादव, विश्वजीत मेश्राम, तलिश पठाण, उमेश जयस्वाल, रणजीत दिवे, रमेश धावणकर, उमेश केडिया, कॉलिंग नंदनवार, गजानन यादव, निलेश मुन्ने, विनोद शेलोकार, दिलीप बाममोटे, निलेश ढोले, अजिंक्य पाटणे, अतुल सावरकर, नानाजी देऊलकर, दिलीप देवताले सहित कई कार्यकर्ता शामिल थे। इस प्रदर्शन में शिवसैनिकों ने महाराष्ट्र की मातृभाषा मराठी को प्राथमिकता देने और किसी भी अन्य भाषा को जबरन न थोपा जाए, इस पर जोर दिया।

एएसआई की बेरहमी से हत्या

> पेट-सीने पर किये कई वार

मुंबई. एक पुलिस अधिकारी की हत्या से सनसनी फैल गई. एक असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) की हत्या कर दी गई. मृतक पुलिस अधिकारी का नाम अब्दुल कलाम अब्दुल कादर बताया जा रहा है. हमलावर हत्या के बाद फरार हो गए हैं. पुलिस की टीमें असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर की हत्या करने वाले हमलावरों की तलाश में जुट गई है.जानकारी के अनुसार, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर अब्दुल कलाम अब्दुल कादर की हत्या उस समय की गई जब वो अपने दो पहिया वाहन से अपने घर जा रहे थे.

पहले उनके दो पहिया वाहन को कार ने टक्कर मारी. फिर हमलावरों ने उनसे मारपीट की. इसके बाद हमलावरों ने उनके पेट और सीने पर धारदार हथियार से कई वारकर उनकी हत्या कर दी. हत्या करने के बाद सभी हमलावर मौके से फरार हो गए.

हमले के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने गंभीर रूप से घायल एएसआई को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उनकी जांच की और उन्हें मृत घोषित कर दिया. जानकारी के अनुसार, पुलिस अधिकारी पर पांच से छह हमलावरों ने हमला किया. एएसआई अब्दुल कलाम अब्दुल कादर अमरावती पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत वलगांव पुलिस स्टेशन में कार्यरत थे. एएसआई की हत्या के बाद पुलिस कमिश्नर अरविंद चावरिया मौके पर पहुंचे. पुलिस की दो टीमें हमलावरों की तलाश में जुटी हुई हैं, लेकिन अब सवाल उठ रहा है कि अगर पुलिस पर हमला किया जा सकता है, तो आम जनता की सुरक्षा का क्या होगा, जबकि जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस पर है. यह भी मांग की जा रही है कि हमलावरों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए.

समुद्र में तीन लोग डूबे

2 की मौत, 1 की हालत नाजुक

मुंबई. हाजी अली के पास वर्ली क्षेत्र में शनिवार (28 जून) की शाम एक दुखद हादसा हुआ, जहां अस्थि विसर्जन के दौरान तीन व्यक्ति समुद्र में डूब गए. इस दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक शख्स की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है. घटना की जानकारी पुलिस नियंत्रण कक्ष को शाम 5:40 बजे प्राप्त हुई, जबकि पहली आधिकारिक जानकारी 6:15 बजे सामने आई. यह हादसा लोटस जेट्टी, हाजी अली दरगाह के पास हुआ, जो धार्मिक कर्मकांडों के लिए प्रचलित स्थल माना जाता है. ताडदेव पुलिस स्टेशन की पुलिस सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) राजपूत द्वारा साझा की गई प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीनों व्यक्तियों को स्थानीय मछुआरों की सहायता से पुलिसकर्मियों ने समुद्र से बाहर निकाला और तुरंत नायर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल पर मौजूद परिजनों व प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ की जा रही है.

टेरिटोरियल फाइट में मारा गया तेंदुआ

> गांव में मची खलबली

कोंढाली.

कोंढाली वन परिक्षेत्र अंतर्गत घुबड़ी उपवन क्षेत्र के कामठी (मासोद) गांव के पास शनिवार 29 जून की सुबह करीब 6 बजे एक डेढ़ से दो वर्षीय नर तेंदुआ मृत पाया गया। यह तेंदुआ बकरी का शिकार करने के बाद अपने ही जैसे एक अन्य तेंदुए से हुई टेरिटोरियल फाइट में मारा गया।

ग्रामवासी यादव पंजाबराव बरगट की बकरी लापता होने पर जब गांववाले उसकी खोजबीन कर रहे थे, तब पूनम नवनीत कोठारी के खेत के पास स्थित लिटरही नाले में बकरी के अवशेष मिले। उसी क्षेत्र के पास एक तेंदुआ मृत अवस्था में मिला। यह देख गांव में हड़कंप मच गया।

घटना पर पहुंचे अधिकारी : सूचना मिलते ही घुबड़ी उपवन क्षेत्र अधिकारी गजानन शेटे, वनरक्षक वी. आर. सावंत, एस. एस. शिसोदे, अमोल गाडगिले, टी. बी. राठौड़ और अन्य वनकर्मी मौके पर पहुंचे। कोंढाली परिक्षेत्र अधिकारी के तबादले के कारण प्रभार में कार्यरत कलमेश्वर के वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रविण शिरपुरकर भी घटनास्थल पहुंचे।

तेंदुए के शरीर पर गहरे घाव : तेंदुए के जबड़े, गले, छाती और गर्दन पर चोट के निशान पाए गए। शव पंचनामा के बाद तेंदुए का शव नागपुर के सेमिनरी हिल स्थित पशु चिकित्सा केंद्र भेजा गया, जहां डॉ. सुजित कोल्गंत, डॉ. ईरोज सोमकुंवर, डॉ. प्रियल चौयागडे ने पोस्टमार्टम किया। मानद वन्यजीव रक्षक उदयसिंह यादव व PCCF प्रतिनिधि कुंदन हाते की उपस्थिति में अंत्येष्टि की गई।

टेरिटोरियल लड़ाई में हुई मौत : प्रभारी अधिकारी प्रविण शिरपुरकर के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ है कि यह तेंदुआ टेरिटोरियल फाइट (प्रादेशिक संघर्ष) में घायल होकर मारा गया। यह स्पष्ट नहीं है कि यह तेंदुआ बोर व्याघ्र प्रकल्प से आया या स्थानीय था, लेकिन इस क्षेत्र में पहले से तेंदुए, बाघ व भालू जैसे हिंसक वन्यजीव सक्रिय हैं।

ग्रामीणों की चिंता बढ़ी : वर्तमान में किसान खेतों में खरीफ फसल की बुआई कर रहे हैं और स्कूलें भी शुरू हो चुकी हैं। ऐसे में हिंस्र पशुओं की बढ़ती हलचल से ग्रामीण भयभीत हैं। पिछले एक माह में कई बकरियां और गायें तेंदुओं का शिकार बन चुकी हैं।

मांग: वनसुरक्षा दस्ता या सफारी गेट की स्थापना : ग्रामीणों ने राज्य सरकार, वन प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि इस क्षेत्र में विशेष वन सुरक्षा दस्ता नियुक्त किया जाए या वन सफारी गेट बनाकर रात्रिकालीन गश्त की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

बंद मकान से 30 हज़ार नकद व 10 ग्राम सोना गायब

खापरखेड़ा. खापरखेडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भानेगांव में अज्ञात चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर नकद और सोने के आभूषण चुरा लिए। यह घटना रविवार, 29 जून की सुबह सामने आई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उपासे ले-आउट, वार्ड क्रमांक 3 निवासी अमन पांडे अपने परिवार के साथ 27 जून को अयोध्या और काशी दर्शन के लिए रवाना हुए थे। उनकी गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने 28 जून की रात उनके मकान के पिछले दरवाजे और फाटक का ताला तोड़कर घर में घुसपैठ की। घर के भीतर चोरों ने हॉल और बेडरूम में जमकर उथल-पुथल मचाई और अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखे 30,000 रुपये नकद, 3 और 5 ग्राम की दो सोने की अंगूठियां व एक सोने की चेन (कंठी) चुरा ली। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग एक लाख रुपये आंकी गई है।

नागपुर की फैशन आइकन : आयुषी लाडे

मॉडलिंग से मार्गदर्शन तक : युवाओं की प्रेरणा

जब भी हम नागपुर की फैशन और ग्लैमर इंडस्ट्री की बात करते हैं, तो एक नाम स्वतः ही ध्यान में आता है आयुषी लाडे। वह सिर्फ एक चेहरा नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण व्यक्तित्व हैं — मॉडल, अभिनेत्री, उद्यमी, कोरियोग्राफर और सशक्त मार्गदर्शक। अपने समर्पण, दृष्टिकोण और कड़ी मेहनत के बल पर आयुषी ने न केवल स्वयं को स्थापित किया है, बल्कि सैकड़ों युवाओं की ज़िंदगी भी संवारी है।

उद्यमिता में अद्वितीयता : आयुषी लाडे ने इगनाईट मॉडलिंग अकादमी और इगनाईट अकादमी की नींव रखकर नागपुर की युवा पीढ़ी को एक ऐसा मंच दिया है, जहाँ हुनर को तराशा जाता है, आत्मविश्वास को निखारा जाता है और सपनों को पंख दिए जाते हैं। यह सिर्फ एक अकादमी नहीं, बल्कि एक "ट्रांसफॉर्मेशन हब " है, जहाँ लड़कियों और लड़कों को एक नया दृष्टिकोण और व्यक्तित्व मिलता है। उनकी व्यावसायिक सोच और लीडरशिप क्वालिटी को देखते हुए उन्हें "बिज़नेस वुमन ऑफ द ईयर" के सम्मान से नवाज़ा गया। यह सम्मान उनकी दूरदर्शिता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए अमूल्य योगदान का प्रमाण है।

"क्वीन और किंग मेकर" की परिभाषा : हर शख्स में एक खासियत होती है, लेकिन उसे पहचानकर तराशना एक कला है — और आयुषी इस कला की माहिर कलाकार हैं। इसलिए उन्हें "क्वीन एंड किंग मेकर" कहा जाता है। उनके प्रशिक्षण से गुज़रकर युवा सिर्फ रैंप पर चलना नहीं सीखते, बल्कि मंच पर आत्मविश्वास से खड़ा होना सीखते हैं।

ग्रूमिंग की विशेषज्ञता : आज के दौर में फैशन की दुनिया सिर्फ लुक्स तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और प्रेज़ेंस का मिश्रण है। आयुषी लाडे ने "बेस्ट फैशन ग्रूमर ऑफ द ईयर" बनकर यह साबित किया है कि वह न सिर्फ बाहरी सुंदरता पर, बल्कि आंतरिक प्रतिभा और आत्मविश्वास को निखारने में भी अव्वल हैं।

उनकी ग्रूमिंग तकनीकें आधुनिकता और परंपरा का संतुलित संगम हैं, जो हर प्रतिभागी को एक नई पहचान देती हैं।

इगनाईट मॉडलिंग अकादमी भविष्य की तैयारी का ठिकाना : आयुषी की अगुवाई में इगनाईट मॉडलिंग अकादमी ने नागपुर ही नहीं, पूरे विदर्भ में अपनी अलग पहचान बनाई है। इसे "बेस्ट मॉडलिंग अकादमी इन नागपुर" का खिताब मिलना इस बात का प्रमाण है कि यहां सिर्फ मॉडल नहीं, बल्कि लीडर तैयार किए जाते हैं। हर बैच, हर शो, हर वर्कशॉप एक नई ऊर्जा और नए विजन के साथ आयोजित होती है।

कोरियोग्राफी में रचनात्मक ऊंचाइयाँ : नृत्य सिर्फ स्टेप्स नहीं, एक भावना है — और आयुषी लाडे इसे मंच पर जीवंत कर देती हैं। उन्हें "बेस्ट फीमेल कोरियोग्राफर" का पुरस्कार मिला है, जो उनके रचनात्मक सोच और प्रस्तुतिकरण की गहराई को दर्शाता है। उनकी कोरियोग्राफ़ी में तकनीक के साथ दिल का जुड़ाव होता है, जो हर प्रस्तुति को अविस्मरणीय बना देता है।

– इमरान दाऊदी, बिजनेस हेड

पुरस्कारों की झलक

उनकी मेहनत और प्रतिभा को कई राष्ट्रीय स्तर के मंचों ने सराहा है:

- बिज़नेस वुमन ऑफ द ईयर
- वूमेन्स एक्सीलेंस अवॉर्ड 2022
- बेस्ट फैशन ग्रूमर ऑफ द ईयर
- बेस्ट फीमेल कोरियोग्राफर
- बेस्ट मॉडलिंग एकेडमी इन नागपुर

निष्कर्ष: एक प्रेरणा, एक आंदोलन

आयुषी लाडे आज सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि उन सभी के लिए प्रेरणा हैं जो सपनों को सच करना चाहते हैं। उन्होंने यह साबित कर दिया कि अगर लगन, परिश्रम और दृष्टि हो — तो कोई भी मंज़िल दूर नहीं। मॉडलिंग से लेकर बिज़नेस लीडरशिप तक, और मंच से लेकर पर्दे के पीछे तक, आयुषी ने हर भूमिका को बखूबी निभाया है। उनकी यात्रा यह संदेश देती है — "हर चमक के पीछे अंधेरे से लड़ने की कहानी होती है, और हर सफलता के पीछे सपनों को आकार देने वाली इच्छाशक्ति।"

एसजेएएन के नरेश शेलके एसजेएफआई के उपाध्यक्ष चुने गए

नागपुर.

दैनिक 'सकाल' में कार्यरत स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ नागपुर (एसजेएएन) के कार्यकारी सदस्य नरेश शेलके को स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) का उपाध्यक्ष चुना गया है। रविवार को भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित एसजेएफआई की आम बैठक में 2025 से 2027 की अवधि के लिए नई कार्यकारी समिति का चुनाव किया गया। त्रिपुरा स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स क्लब के सरजू चक्रवर्ती को अध्यक्ष चुना गया। उल्लेखनीय है कि नरेश शेलके 2005-07 के दौरान भी कार्यकारी सदस्य थे। अमित संपत ने भी पहली बार एसजेएएन के प्रतिनिधि के रूप में आम बैठक में भाग लिया।

एसजेएफआई की नई कार्यकारिणी अध्यक्ष: सरजू चक्रवर्ती (त्रिपुरा खेल पत्रकार संघ), उपाध्यक्ष (चार पद): नरेश शेलके (नागपुर खेल पत्रकार संघ), सबी हुसैन (दिल्ली संघ), एस दीपक राघव (तमिलनाडु खेल पत्रकार संघ), सुरेश कुमार स्वैन (ओडिशा खेल पत्रकार संघ)। सचिव: रमेश वरिकुप्पला (तेलंगाना खेल पत्रकार संघ), संयुक्त सचिव: पार्थ चक्रवर्ती। कोषाध्यक्ष: संजय घरपुरे। कार्यकारी समिति के सदस्य: अतुल जे लोके (मुंबई खेल पत्रकार संघ), इम्तियाज अहमद (असम खेल पत्रकार संघ), राजेशकुमार सी के (केरल खेल पत्रकार संघ), साबू चेरियन (गुजरात खेल पत्रकार संघ), संदीप मिश्रा (ओडिशा खेल पत्रकार संघ), सुप्रभात देबनाथ, (त्रिपुरा खेल पत्रकार संघ), स्वरूप स्वामीनाथन (तमिलनाडु खेल पत्रकार संघ)।

शुभांक		
श्रीदेवी	134-8	458-7
श्रीदेवी नाईट	679-2	240-6